20/05/2020

Subject - Home Science Teaching

B.Ed. Ist Year

Topic - Principles of Preparing Curriculum

पाठ्यक्रम की तैयारी (निर्माण) के सिद्धान्त

विद्यालय के विभिन्न स्तरो पर पाठ्यक्रम का निर्माण करते समय मुख्यत: निम्न सिद्धान्तो को दृष्टिगत रखना चाहिए-

- अवकाश के सदुपयोग का सिद्धान्त
- समन्वय व सहसम्बन्ध का सिद्धान्त
- सुसंगठिता का सिद्धान्त
- शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का सिद्धान्त
- विचार सहमति का सिद्धान्त
- क्रियाशीलता व अनुभव का सिद्धान्त
- नम्यता, परिवर्तनशीलता एवं विभिन्नता का सिद्धान्त
- उपयोगिता का सिद्धान्त
- जीवन से सम्बन्धित होने का सिद्धान्त
- सामान्यीकरण का सिद्धान्त

Scanned with CamScanner

गृहविज्ञान के पाठ्यक्रम के विकास की प्रक्रिया

गृहविज्ञान के पाठ्यक्रम के विकास पर विचार करते हुए राल्फ टाइलर द्वारा सुझाया गया पाठ्यक्रम विकास का प्रतिमान महत्वपूर्ण है

उनके अनुसार किसी भी विषय - विशेष के लिए पाठ्यक्रम विकसित करने हेतु निम्नलिखित सोपानों का क्रमिक अनुसरण किया जाए -

(1) उद्देश्यो का निर्धारण
(2) अधिगम अनुभवों का चुनाव
(3) चयनित अधिगम अनुभवों का संगठन
(4) पाठ्यक्रम का क्रियान्वयन
(5) मूल्यांकन हेतु विधियो एवं तकनीक का सुझाव देना।

पाठ्यक्रम की तैयारी करते समय ध्यान देने योग्य बाते :-

(1.) विभिन्न स्तरो के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम उस स्तर के छात्रों की मानसिक परिपक्वता के अनुरूप होना चाहिए।
(2) पाठ्यक्रम मे दिये गये उदाहरण दैनिक जीवन से सम्बन्धित होने चाहिए।
(3) उपयोगिता के सिद्धान्त का समावेश होना चाहिए।
(4.) सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान को भी महत्व देना चाहिए।
(5.) विज्ञान तथा तकनीकी के नवीन ज्ञान एवं आविष्कारों को सम्मिलित किया जाना चाहिए।
(6.) छात्रों मे नैतिक तथा अनुशासन सम्बन्धी मूल्यों को
(7.) विकसित करने के पर्याप्त अवसर दिए जाने चाहिए।
(8.) विज्ञान की प्रभावी विधियों द्वारा शिक्षण करने पर जोर दिया जाना चाहिए।

Complete---

Scanned with CamScanner